

convenient for the pensioners as they could get their pension from the nearest post office. But recently a decision has been taken to disburse pension only through the nationalised banks. These banks are situated in the cities and they are far from the residences of the pensioners. Now after the implementation of this order, the pensioners have to go to the cities to collect their pensions. Most of the pensioners are getting less than Rs.1000 as their pension. For such a petty amount they have to travel hundreds of kilometres in a day. All this is unbearable to them at such an old age. So, I would request the Government to restore the earlier provision of disbursing pension through the post offices.

SHRI CHANDRA SEKHAR SAHU (BERHAMPUR - ORISSA): Sir, as you know, India is getting a lot of foreign exchange through tourism sector. But if we go to Orissa part, though there is a vast coastal area and a lot of historically and culturally important places yet they are not being properly developed. In the Southern part of Orissa, Ganjam and Gajapati districts are there. There are a lot of tourist spots which have their own cultural and historical importance. In Ganjam, places like Gopalpur are there which have coastal areas. They are having very good potentiality for tourism. Similarly, the places like Bhairavi, Patisonapur, Taratarni, Taptapani, etc. are tourist spots. In Gajapati, Mahendra Giri is a place which speaks a story of Mahabharata. It is a very big tourism spot. But it requires a lot of development. The places like Gondahati also require development.

I would request the Department of Tourism, Government of India to pay special attention to these places and provide more funds so that they could be developed and could earn more foreign exchange through tourism.

श्री हंसराज जी.अहीर (चन्द्रपुर) : सभापति जी, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। भारत कृषि प्रधान देश है जिसे हम सदन में बार-बार दोहराते आ रहे हैं। सांसदगण किसान और कृषक परिवार से होते हुए भी, हम और हमारी सरकार द्वारा कृषि को जितना महत्व दिया जाना चाहिए था, उतना नहीं दिया गया है। यह हम सभी

लोगों की चिन्ता का विषय है। किसान खेती को घाटे का व्यवसाय मानकर कृषि क्षेत्र से हटना चाहते हैं। देश में अनेक स्थानों पर किसान आत्महत्या कर रहे हैं। जिस देश में कृषि को एक समय व्यवसायों में प्रथम स्थान प्राप्त था, आज वहीं का किसान उस क्षेत्र में काम नहीं करना चाहता है। खेती और किसानों की दुर्दशा के अनेक कारण हो सकते हैं, मैं उन कारणों पर नहीं जाना चाहता हूँ, लेकिन इस दुरावस्था, दुर्दशा को समाप्त करने की जिम्मेदारी हम सभी सांसदों, इस सभा और सरकार की है। आज भी इस देश की अर्थव्यवस्था का आधार कृषि को ही माना जाता है। लेकिन हम किसानों के दुख और गरीबी को नष्ट नहीं कर सके हैं। उनकी गरीबी दूर करने, उन्हें समृद्ध बनाने की हमारी जिम्मेदारी को देखते हुए, उनके दुख और गरीबी को कम करने हेतु किसान और कृषि पर इस सभा में ज्यादा समय देने, सरकार के माध्यम से प्रभावी कदम उठाने तथा सदन में किसानों के प्रति प्राथमिकता देने हेतु, मैं आपके माध्यम से मांग करता हूँ कि

.(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : You can lay it on the Table.

श्री हंसराज जी.अहीर : मैं मांग करता हूँ कि सदन में, जो कि देश का सर्वोच्च सभागृह है, हाउस के सामने किसान की एक प्रतिमा द्वार पर बनाई जाए ताकि सदन में आते समय हर सांसद यह समझे कि मेरी प्राथमिकता किसान है, कृषि क्षेत्र है जिन्होंने हमें यहां चुनकर भेजा है। मैं ऐसा मानता हूँ कि इससे किसानों की आत्महत्या रुकेगी और कृषि क्षेत्र का विकास होगा। मैं आपके माध्यम से

पुनः यह मांग करता हूँ कि किसान की एक प्रतिमा इस सभागृह के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने बनाई जाए।

MR. CHAIRMAN : Now, all the names in the list is exhausted. There are three more notices received after 9.30 a.m. For the time being, I shall call those names.

DR. K.S. MANOJ (ALLEPPEY): Sir, NACO has given green signal to install Condom Vending Machines in our university campuses. Delhi State AIDS Control Society has installed Condom Vending Machines in JNU and Delhi University Campuses. By "the overwhelming response", as stated by the Chairperson of the Delhi State AIDS Control Society to the venture, the NACO has decided to install this machine in the other campuses also.

Sir, the installation of Condom Vending Machines in the campuses give a false message to the students and will promote free sex in the campus and will add more to the menace of HIV/AIDS.

Sir, Condom is not 100 per cent safe against HIV/AIDS and also gives a false sense of security. This move is actually an insult to our nation's culture and heritage. So, I urge upon the Government to revoke the move to install Condom Vending Machines in the campuses and prevent cultural decline of our universities.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक अहम विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। पूरे हिन्दुस्तान में, खासकर जम्मू-कश्मीर और पंजाब में, जैसा आप जानते हैं कि जब आतंकवाद शुरू हुआ था, तो भारत सरकार ने उसका मुकाबला करने के लिए होमगार्ड बनाया था। उन्हें महीने में सिर्फ 13 दिन ड्यूटी देनी थी और 13 दिन की ही उन्हें तनख्वाह मिलती थी। जब जम्मू-कश्मीर में मिलिटेंसी भड़कनी शुरू हुई, तो भारत सरकार की तरफ से एसपीओ और वीडीसी को लगाने का आर्डर दिया गया। उसका खर्चा केन्द्र सरकार ने वहन करने की बात कही थी। उसके लिए जो विलेज डिफेंस कमेटीज बनाई गईं, वे मिलिटेंसी के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए सामने आईं।